तापमान
अधिकतम 40 .6 डिग्री
न्यूनतम 18 .5 डिग्री

हरिभूमि
# सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 2 जून, 2025

11 सड़क हादसे रोकने के लिए कर्मचारियों ने मुरम्मत शुरू की

12 नागिरक अस्पताल में आई स्पाइन डी कंप्रेशन मशीन

## खबर संक्षेप

### हुडा कर्मचारियों की बैठक 4 जून को

**सोनीपत।** हूडा कर्मचारियों तथा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से सेवारत सभी कर्मचारी साथियों, और मंच से संबंधित सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी को 4 जून को यूनियन कार्यालय सेक्टर 15 में बुलाया गया है। 11:30 बजे एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया जाना है। जिसमें कौशल रोजगार निगम के कर्मचारी के जाब सुरक्षा गारंटी की ज्वाइनिंग करवाने बारे तथा आगामी 1 साल की अप्रूवल लेने बारे तथा समय पर हर महीने की 7 तारीख से पहले वेतन दिलाने के बारे में प्रस्ताव पास करके मुख्य प्रशासक तथा मुख्यमंत्री के नाम संपदा अधिकारी सोनीपत के माध्यम से नोटिस भेजा जाएगा। यदि 15 जुलाई तक उपरोक्त मांगे पूरी नहीं की जाती तो बैठक में प्रस्ताव पास करके 16 जुलाई को डीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री और नोटिस भेजा जाएगा।

### पैसे कमाने का लालच दे 94 हजार 400 ठगे

**गन्नौर।** आनलाइन काम कर पैसे कमाने का लालच दे कर ठगों ने एक व्यक्ति से 94 हजार 400 रुपये ठग लिए। पीड़ित ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत बड़ी थाना में दी है। बड़ी के रहने वाले अक्षय ने बताया कि वह बड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में सुपरवाईजर के पद पर कार्यरत है। वह 24 अप्रैल को फैक्ट्री में काम कर रहा था। इस दौरान उसके टेलीग्राम एप्लिकेशन पर मैसेज आया। जिसमें लिखा था कि आनलाइन काम करके पैसे कमाओ। व्यक्ति ने उन्हें टेलीग्राम पर मैसेज भेजे और उसे टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया। उससे काम करवा कर उसके खाते में ठग ने 200 रुपये ट्रांसफर कर दिए। उसने ठग के कहने पर एक बार एक हजार रुपये, दूसरी बार 7 हजार, तीसरी बार 13 हजार 900 व चौथी बार मे 72 हजार 500 रुपये ट्रांसफर किये। उसने ठगों के झांसे में आकर 4 बार में अलग-अलग खाते में करीब 94 हजार 400 रुपये ट्रांसफर कर दिए।

### किसान व उसके परिवार के साथ मारपीट

**गन्नौर।** गुमड़ गांव के खेत से मिट्टी उठवा रहे एक किसान व उसके भाई और पिता के साथ खेत के पड़ोसी ने अपने भाई व दोस्तों के साथ मिल कर मारपीट कर दी। मामले की शिकायत गन्नौर थाना पुलिस को दी है। अनुसार गुमड गांव निवासी नवीन अपने खेत से मिट्टी उठवा रहा है। वह 4 मई को खेत में गया। इस दौरान उनके गांव का मनोज भी अपने खेत में मौजूद था। उन दोनों के खेत का एक ही रास्ता लगता है। जब गाड़ी मिट्टी उठाने जा रही थी तो मनोज ने गाड़ी रुकवा कर खेत के रास्ते से गाड़ी की आवाजाही न करने की धमकी दी। इस पर जब उसने मनोज का विरोध किया तो मनोज ने उसे अपशब्द कहे और उसके साथ मारपीट की। मनोज ने मौके पर अपने भाई अनिल व साथियों को भी बुला लिया। इस बीच नवीन के पिता कप्तान व भाई प्रवीण भी मौके पर पहुंचे तो आरोपितों ने उसके पिता व भाई के साथ भी मारपीट की।

### पहले गाली दी, फिर घर के बाहर फायर किए

**गोहाना।** गांव बड़ौता में रविवार रात को एक ग्रामीण अपने भतीजे के साथ बस अड्डे की तरफ घूमने गया था। वहां पर स्कार्पियो और बाइक पर आए कई युवकों ने उनको गाली दी। स्थिति को भांपकर दोनों भागकर अपने घर आ गए। इसके बाद युवक उनके घर के बाहर पहुंचे और दरवाजे को लात मारकर तीन राउंड फायर किए। बड़ौता के राजीव कुमार उर्फ पप्पू का बेटा सागर अपने भतीजे राजन के साथ रविवार रात लगभग पौने 10 बजे गांव में बस अड्डे की तरफ घूमने गया था। राजन ने पुलिस को बताया कि वहां पर मंजीत, सौरभ और तीन-चार अन्य युवक स्कार्पियो व एक बाइक पर आए और वारदात को अंजाम दिया।

### लगातार दो दिनों से आसमान में छाए रहे बादल, परिवर्तनशील रहेगा मौसम

# बूंदाबांदी ने बनाई ठंडक, सावन की तरह बीत रहा नौतपा, आज से एक और पश्चिमी विक्षोभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लगातार दो दिनों से आसमान में बादल छाए हुए हैं। हल्की बूंदाबांदी भी हो रही है। जिसकी वजह से मौसम में ठंडक बनी हुई है, हालांकि फिलहाल नौतपा चल रहा है, लेकिन एक दो दिनों को छोड़ दें तो इस बार नौतपा अपने नाम के अनुरूप काम ही नहीं कर पाया। 25 मई से शुरू हुआ नौतपा 2 जून को समाप्त हो जाएगा, लेकिन मौसम के परिवर्तन की वजह से नौतपा इस बार तपाने की बजाए सावन जैसी ठंडक के साथ जा रहा है। रविवार को भी जिले भर में तेज आंधी आई, जिसके बाद कई जगहों पर हल्की बरसात के साथ मौसम में ठंडक घुल गई, लोगों को भी गर्मी से राहत मिली हुई है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाला सप्ताह भी कुछ-कुछ इसी तरह का रहने वाला है। मौसम परिवर्तनशील रहेगा, जिसकी वजह से बारिश होने की भी संभावना जाहिर की गई है।

रविवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। सुबह के समय कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। दोपहर के समय एक बार तेज धूप निकलने के बाद एक बार फिर से आसमान में बादल गहरा गए। इससे बरसात की संभावना बनी रही। सुबह से ही मौसम का मिजाज ठंडा बना रहा। दोपहर के समय धूप निकलने के बाद उमस ने कुछ देर के लिए खूब परेशान किया, परंतु शाम के समय मौसम फिर से ठंडा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन-चार दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान आसमान में बादलों और तेज हवाओं के बीच हल्की बारिश हो सकती है। 4 जून को बारिश की संभावना है।

### पिछले साल इन दिनों हीट वेवे चल रही थी

रविवार को अधिकतम तापमान व न्यूनतम तापमान में कोई फेरबदल नहीं दर्ज किया गया। शनिवार को जिले में अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्ज किया गया था, जोकि रविवार को भी इतना ही दर्ज किया गया है। वहीं न्यूनतम तापमान शनिवार को भी 27 डिग्री पर था और रविवार को भी 27 डिग्री ही दर्ज किया गया है। 2024 से तुलना की जाए तो पिछले साल 1 जून को सोनीपत में अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज और न्यूनतम तापमान 33 डिग्री किया गया था। पिछले वर्ष इन दिनों पूरे उत्तर भारत में हीट वेव चल रही थी।

### 2 से 5 जून तक फिर बदलेगा मौसम

मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अंधड़ के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई है। 2 से 5 जून तक मौसम फिर बदलेगा। इस दौरान तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने का पूर्वानुमान है। जून के पहले सप्ताह में लोगों को गर्मी से राहत रहेगी। *-डॉ. प्रेमदीप, मौसम विज्ञानी, केवीके जगदीशपुर*

### मानसून में बारिश की कमी के आसार

प्राचीन मान्यता है कि नौतपा में भारी गर्मी पड़ने से जमीन तपती है। अगर इन 9 दिनों में भारी गर्मी पड़ती है, तो इससे मानसून के समय जोरदार बारिश होती है। इसके विपरीत अगर नौतपा के दिनों में बारिश होती है, तो इससे मानसून में बारिश की कमी रहती है। सूखा पड़ने की संभावना भी रहती है। इस बार नौतपा शुरू होने से पहले ही अच्छी बरसात हो गई, जिससे 8 दिनों में तापमान सामान्य से कम बना रहा। नौतपा खत्म होने से पहले कई इलाकों में बूंदाबांदी ने धरती तपने की संभावना पर पानी फेर दिया।

### कृषि संबंधी कार्य न करें किसान

एनसीआर में 2 जून से एक और पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं। जिससे 5 जून तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। इस दौरान तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना बन रही है। कृषि अधिकारियों ने किसानों को अभी कृषि संबंधी कार्य यानी बिजाई रोकने की सलाह दी है। 5 जून के बाद ही अपने कृषि कार्य करें। मौसम लगातार बदल रहा है, इसलिए किसानों को सावधान रहने की जरूरत है।

### हरियाणा एनसीआर दिख रहा असर

मई महीने की शुरुआत से लेकर अंत तक लगातार हरियाणा एनसीआर में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले पखवाड़े में पश्चिमी विक्षोभ से तेज गति से हवाएं चलने, वर्षा होने से झुलसाने वाली गर्मी और लू से आमजन को राहत मिली। दूसरे पखवाड़े की शुरुआत में केवल पहले सप्ताह में तापमान में बढ़ोतरी और लू से आमजन को रूबरू होना पड़ा। उसके बाद नौतपा की शुरुआत तेज गति से हवाएं, अंधड़ और वर्षा के साथ हुई। नौतपा के सातवें दिन शनिवार को सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से हरियाणा एनसीआर में लगातार बादलों की आवाजाही के साथ तेज गति से हवाएं, अंधड़ व हल्की बूंदाबांदी हुई। जिससे तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। इस विक्षोभ का असर रविवार को भी रहा।

### अधिवक्ता को डी बार करने का मामला

# बार काउंसिल ने जिला बार एसो. के आदेश पर लगाई रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला बार एसोसिएशन द्वारा गत 16 मई को आठ अधिवक्ताओं पर बैठक कर उनके खिलाफ कार्यवाही करते हुए उन्हें डीबार करने व दो-दो लाख रुपये जुर्माना लगाया था। जिसके बाद डी बार किए अधिवक्ता ने बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा में याचिका दायर की। जिसकी सुनवाई के बाद जिला बार एसोसिएशन की गठित कमेटी के आदेशों पर अंतरिम रोक लगा दी है। उक्त आदेश अधिवक्ता राजेश दहिया द्वारा दाखिल याचिका पर विशेष समिति द्वारा 29 मई को पारित किया गया।

बता दें कि गत सात जून को जिला बार एसोसिएशन की तरफ से जारी प्रेस नोट में बार एसोसिएशन के सदस्य राजेश कुमार दहिया, प्रदीप कुमार दहिया, रमन छिल्लर, अजय सिंह गहलावत, जयभगवान शर्मा, राजकुमार पांचाल, अनूप दहिया व विजय इंदौरा को डी-बार करने व सभी पर दो-दो लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान अनिल ढूल ने बताया कि उक्त अधिवक्ताओं ने बार चुनाव व चुनाव में चुनकर आए पदाधिकारियों के खिलाफ सात मार्च को बैठक की थी। जिससे बार एसोसिएशन की छवि को धूमिल किया था। वहीं एक अधिवक्ता ने बार पदाधिकारियों के साथ अभद्रता की थी। जिसमें कमेटी की तरफ से उक्त अधिवक्ताओं के खिलाफ कार्यवाही करते हुए उन्हें डी-बार किया गया था। साथ ही सभी पर दो-दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। मामले में बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा की तरफ से सोनीपत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल ढुल को 7 जून को दोपहर 12 बजे व्यक्तिगत रूप से चंडीगढ़ स्थित काउंसिल कार्यालय में उपस्थित होकर संपूर्ण रिकॉर्ड और उस आदेश को पारित करने की प्रक्रिया सहित अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि निर्धारित तिथि पर उपस्थिति नहीं दी जाती है, तो नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

### घूमने निकला अनूप नगर का व्यक्ति लापता

**गन्नौर।** बादशाही रोड अनूप नगर में अपने घर से सुबह घूमने के लिए निकला युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। पत्नी ने मामले की सूचना थाना गन्नौर में दर्ज करवाई। बादशाही रोड अनूप नगर की रहने वाली रेखा ने बताया कि उसका पति गंगाराम 27 मई की सुबह घर से घूमने के लिए गया था, लेकिन वापिस नहीं लौटा। उसने अपने स्तर पर अपने पति का पता लगाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रेखा का आरोप है कि उसके पति को किसी व्यक्ति ने बंधक बना लिया है।

# शौर्य चक्र विजेता आशीष दहिया का पैतृक गांव ककरोई में किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

वीरता का सम्मान करते हुए रविवार को गांव ककरोई निवासी शौर्य चक्र विजेता आशीष दहिया का नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने फूल मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। खुली जीप में बैठाकर गांव पहुंचे आशीष दहिया को कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। आशीष दहिया को हाल ही में देश के दूसरे सबसे बड़े शौर्य पुरस्कार शौर्य चक्र से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें एक आपरेशन के दौरान अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करने के लिए दिया गया है। जैसे ही वे गांव पहुंचे, लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से माहौल देशभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आशीष ने न केवल अपने गांव का, बल्कि पूरे हरियाणा और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करने वाला उदाहरण पेश किया है। इस मौके पर आशीष दहिया ने भी ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे गांव और क्षेत्र की देन है। इस अवसर पर पूर्व सांसद रमेश कौशिक, मेयर राजीव जैन, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, सुरेंद्र शर्मा, ककराई सरपंच कर्मबीर फौजी सहित कई अन्य गांवों के सरपंच, राजबीर दहिया, आजाद भौरिया, बिजेंद्र दहिया, मेहताब सिंह दहिया, डा. पंकज, डॉ. नरेंद्र मौजूद रहे।

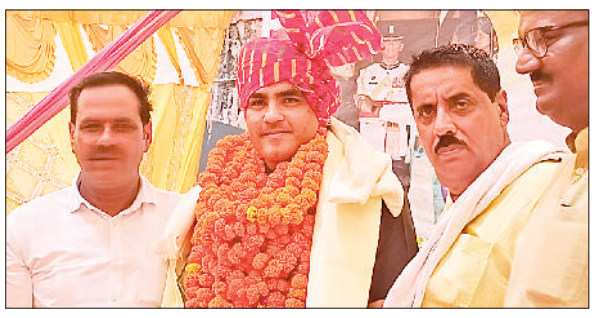

**खरखौदा।** शौर्य चक्र विजेता का अभिनंदन करते गणमान्य व्यक्ति।

### युवकों ने दुकानदार को पीटकर घायल किया

**खरखौदा।** झरोठी टोल प्लाजा के पास हमलावर युवकों ने पीट पीट कर एक दुकानदार को घायल कर दिया। कंवाली निवासी दीपक ने बताया कि वह रात्रि के समय अपनी दुकान के बाहर खड़ा खड़ा था। उसी समय झरोठी निवासी टिंकू, सुनील, अंकित व झरोठ निवासी ढीलू तीन चार वाहनों में अपने लगभग 15 साथियों के साथ दुकान पर आ गए। उन्होंने कहा कि मना करने के बावजूद उसने चाय आदि की दुकान क्यों कर रखी है। जब उसने अपने परिवार की गुजर बसर का वास्ता दिया तो हमलावर युवकों ने लकड़ी के बीटों, लात घुसों से उसे पीटना शुरु कर दिया। हथियार दिखाकर कहा कि यदि तूने यहां से खोखा नहीं उठाया तो तुझे जान से मार देंगे। उसके बाद युवकों ने दुकान में तोड़फोड़ करते हुए मेज की दराज से लगभग 8 हजार रुपए निकाल लिए। उसे खरखौदा के सरकारी अस्पताल लाया गया।

# गांव राठधना, जगदीशपुर और लिवान को अब 24 घंटे बिजली मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राठधाना, जगदीशपुर और लिवान के निवासियों ने मनाया जश्न, अब शहरों की तरह मिलेगी चौबीसों घंटे बिजली – राठधाना, जगदीशपुर और लिवान गांवों के निवासियों का सालों पुराना सपना आज सच हो गया, जब सीनियर मेयर राजीव सरोहा के प्रयासों से एक नए बिजली फीडर को चालू कर उन्हें चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति मिलने लगी। सीनियर मेयर राजीव सरोहा के निरंतर प्रयत्न और बिजली विभाग के सहयोग द्वारा उठाया गया यह कदम शहरी क्षेत्रों के समान लगातार बिजली आपूर्ति की स्थानीय समुदायों की लगातार मांग को पूरा करता है। आज सुबह लगभग 10 बजे, नए फीडर के लिवर को आधिकारिक तौर पर राजीव सरोहा ने उठाकर चालू किया, जिसने इन तीनों गांवों के हजारों निवासियों के जीवन स्तर में एक महत्वपूर्ण सुधार को चिह्नित किया। इस पहल से विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने से स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलने, शैक्षिक अवसरों में सुधार और समग्र दैनिक जीवन को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

इस अवसर पर बोलते हुए, सोनीपत नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा राठधाना ने अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, यह राठधाना, जगदीशपुर और लिवान के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष प्रिंस सरोहा, बिजली विभाग के जेई वजीर, पंडित लीलू शर्मा, जिले सरोहा, सुमेर सरोहा, राजू, सतीश सरोहा ट्रैक्टर, मुकेश, प्रवीण सहित अन्य गणमान्य ग्रामवासी भी उपस्थित रहे।

**सोनीपत।** बिजली फीडर को चालू करते हुए सीनियर डिप्टी मेयर और बिजली कर्मी।

### नालों पर अनधिकृत निर्माण होने से आ रही समस्या

# गढ़ी झझारा रोड पर सफाई न होने से नाले हुए ओवरफ्लो, लोगों को परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शहर की गढ़ी झझारा रोड पर नालों की सफाई न होने से ओवरफ्लो हुए नालों के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से नालों की सफाई की मांग की है। स्थानीय वासी महेंद्र, विकास, नरेंद्र ,सुरेंद्र ने बताया कि नालों की सफाई नियमित रूप से नहीं की जाती है, जिससे उनमें कचरा और गाद जमा हो जाता है। वहीं कुछ लोगों द्वारा नाले के ऊपर रैंप बनाए जाने के कारण नाले की ठीक तरह से सफाई नहीं हो पाती है। नालों पर अनधिकृत निर्माण होने से उनकी सफाई और रखरखाव में समस्या आती है। नालों की सफाई न होने से ओवरफ्लो हुए नाले एक गंभीर समस्या है। नगर पालिका को इसका समाधान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि नालों की सफाई न होने के कारण मच्छरों की भरमार व बदबू आने के कारण भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बरसात होने पर गली में पानी भर जाता है कई बार तो आवागमन में भी दिक्कत आती है। इससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

**गन्नौर।** नालों की सफाई न होने से री गंदगी व नालियों में पानी रुकने से गलियों में भर पानी।

### नालों की सफाई करवाई जाएगी

बरसात का समय आने वाला है अगर नगर पालिका द्वारा नालों की बेहतर ढंग से सफाई नहीं कराई गई तो गली के लोगों को आगमन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस समस्या को लेकर नगर पालिका के सचिव प्रदीप ने बताया कि उनके पास अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है। अगर सफाई न होने की समस्या है तो वे मौका निरीक्षण करवाकर उनकी सफाई करवाएंगे।

### घर का ताला तोड़कर आभूषण व 70 हजार रुपये ले गए चोर

**सोनीपत।** शहर थाना क्षेत्र स्थित अशोक विहार में मकान से सोने-चांदी के आभूषण व हजारों रुपये की राशि के चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। वारदात के दौरान मकान मालिक परिवार सहित उज्जैन घूमने के लिए गया हुआ था। वापस आने पर चोरी की वारदात का पता चला। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव पुरखास हाल में गली नंबर-1 निवासी करतार सिंह ने बताया कि वह 28 मई को अपनी पत्नी, बेटे और साले के साथ उज्जैन घूमने के लिए गया था। शनिवार की रात को वापस लौटे तो घर का ताला टूटा मिला। अंदर गए तो सामान बिखरा पड़ा था। जांच की तो अलमारी में रखे 70 हजार रुपये, दो तोले की सोने की चेन, आधे तोले की अंगूठी, तीन तोले के सोने के झूमके, 250 ग्राम चांदी के आभूषण एक-एक तोले के चांदी के 22 सिक्के और एक प्लाट की रजिस्ट्री गायब थी। उन्होंने पड़ोस में लगे सीसीटीवी की जांच की तो एक युवक बाइक खड़ी कर गली की ओर जाता दिखाई दे रहा है। वारदात 29 मई की रात को की गई है।

# आईसीएमएआई की कार्यकारिणी गठित, प्रवीन मदान बने चेयरपर्सन

**सोनीपत।** नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) के सोनीपत चैप्टर की वार्षिक आम सभा का आयोजन चैप्टर की बिल्डिंग में किया गया। इस अवसर पर चैप्टर की प्रबंध समिति का पुनर्गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में सीएमए प्रवीन मदान को चेयरपर्सन, सीएमए दिनेश खत्री को वाइस चेयरपर्सन तथा पवन कुमार को सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद पर चयनित किया गया। चेयरपर्सन बनाए जाने के पश्चात सीएमए प्रवीन मदान ने कहा कि आने वाले दिनों में विद्यालयों और महाविद्यालयों में करियर संबंधी सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, ताकि छात्रों को लागत लेखांकन कोर्स के लाभों के बारे में जानकारी दी जा सके और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सभा में सुमित कुमार, दिनेश अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, अतुल खट्टर, तरुण, शिल्पा वर्मा मौजूद रहे।

## दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्रायः है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

# लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य



विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक श्रृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

*पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,*
*पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी*

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं।

इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

*मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै*
*सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी*

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

**कड़सूले :** कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

*भाज-लूज कै नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री*
*सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै*
*पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़या डोलै*
*कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय*

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

**स्वप्न :** प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत है:

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

**प्रसव:** प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

*नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं*
*म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी*

**शिशु जन्म :** शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

*जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था*
*एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया*

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

**शिशु जन्म :** वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

**छुआणी :** प्रसव के पश्चात जच्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

**घुट्टी पिलाना :** जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

**दुधी धुलाना :**शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया

> लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।

जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

**नहाण बार केरे की रीत :**शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

**छटी गीत इस प्रकार है :**

*रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं*
*पहली बधाई उसके दादा नै होवै*
*जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ*

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

**सूतक लगना एवं शुद्धिकरण :** जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

**पीहर में भेली भेजना :** शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

---

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया



### जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कद्दे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये ज[illegible]ंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये [illegible] सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,ज[illegible] चढ़ा पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण मैं रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

---

कविता | संदीप शर्मा



### साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, त[illegible] बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तू , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

---

**दरकते रिश्ते** पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

# अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में



जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

### गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

### अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

### इन बातों का रखें ख्याल

**संबंध :** रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी जरूरी है।

**सम्मान और विश्वास:** एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

**सहयोग:** मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

**क्षमाशील होना:** एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

**संचार :** नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

---

# फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी।

उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

### यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिफ्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

## खबर संक्षेप

### योग शिक्षक व सहायकों को किया सम्मानित

**गोहाना।** पंचकूला में सम्पन्न योग महोत्सव में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने योग शिक्षकों व उनके सहायकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। समारोह में शिवनगरी धनाना के योग सहायक सुनील जाटायन भी सम्मानित हुए। 27 मई को पंचकूला में योग महोत्सव आयोजित किया गया। यह समारोह मुख्यमंत्री नायब सैनी के मुख्यातिथ्यि में सम्पन्न हुआ जिसमें नागरिकों को हर घर योग, घर-घर योग अभियान के तहत स्वास्थ्य का मूल मंत्र दिया गया। समारोह में मुख्यमंत्री ने योग को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने को लेकर योग शिक्षकों व सहायकों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री ने शिवनगरी धनाना के योग सहायक सुनील जाटायन को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया।

### समर कैंप में 100 छात्रों ने लिया हिस्सा

**सोनीपत।** ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत देवडू रोड़ में ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) की शुरुआत जोश और उत्साह के साथ हुई। इस अवसर पर एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसका संचालन संचार एवं ग्रूमिंग विशेषज्ञ अवनी जैन ने किया। इस वर्कशॉप में लगभग सौ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया व बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों में प्रभावशाली संवाद कौशल और आत्म-प्रस्तुतीकरण की कला को निखारना है। अवनी ने छात्रों को व्यावहारिक उदाहरणों व आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से संचार के महत्व के अवगत कराया। निदेशक धीरज शर्मा ने कहा कि आधुनिक समय में विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास को ध्यान में रखते इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन अत्यंत आवश्यक है।

### सेक्टर-2 में किड्स समर कैंप शुरू

**बहादुरगढ़।** शहर के सेक्टर-2 स्थित विश्व शांति भवन में ब्रह्माकुमारी संस्थान की तरफ से किड्स समर कैंप का शुभारंभ हुआ। कैंप का आयोजन एक से 4 जून तक होगा। इसमें 7 से 13 वर्ष के बच्चे भाग ले रहे हैं। इस दौरान बीके विनीता ने बच्चों के उज्जवल भविष्य में नैतिकता की भूमिका पर प्रकाश डाला। बीके विनीता ने बताया कि शिक्षा के माध्यम से बच्चे का सर्वांगीण विकास का प्रयास किया जाता है। शिक्षा द्वारा बच्चे के व्यवहार में परिवर्तन लाया जाता है। एक शिक्षक अपनी शिक्षण क्रियाओं से छात्रों को काफी कुछ सिखाता है। हालांकि वर्तमान शिक्षा केवल किताबी ज्ञान ही अधिक देती है। उनका केवल शैक्षिक विकास होता है। नैतिक व सामाजिक विकास अच्छी तरह से नहीं हो पा रहा। एक शिक्षक अपनी शिक्षण क्रियाओं से छात्रों को काफी कुछ सिखाता है।

## एनएच-44 पर हादसे रोकने के लिए जागा एनएचएआई

# प्रशासन ने सड़क हादसों को रोकने के लिए काम करना किया प्रारंभ

*गांव पांची गुजरान के निकट फ्लाईओवर के अंडरपास के पास काम प्रारंभ*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

एनएच-44 पर गांव पांची गुजरान के निकट फ्लाईओवर के अंडरपास के पास लगातार हो रहे सड़क हादसे की शिकायत के बाद वहां के अधिकारियों ने सड़क हादसों को रोकने के लिए काम करना शुरू किया है। यहां लगातार हो रहे हादसे आज चिंता का विषय बने हुए थे। पांची गुजरान गांव के जगदीप कक्कड़ ने एसडीएम को इस संबंध में शिकायत भी दी थी । जगदीप कक्कड़ ने शिकायत में बताया था कि कुछ महीने में अंडरपास के पास तीन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें एक महिला व व्यक्ति की मौत हो चुकी है। एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुआ था। जगदीप कक्कड़ ने बताया था कि अंडरपास के सामने एक तरफ पांची गुजरान व दूसरी तरफ गढ़ी कलां गांव का रास्ता जाता है, लेकिन यहां से काफी तेज गति से वाहन गुजरते हैं। ऐसे में वहां पैदल रास्ता पार करना खतरे से खाली नहीं है। उन्होंने एसडीएम प्रवेश कादियान से अंडरपास के पास जल्द से जल्द यातायात नियंत्रण व्यवस्था, रात में पर्याप्त रोशनी करने की मांग की। शिकायतकर्ता जगदीप कक्कड़ ने बताया कि जीटी रोड पर हादसों के बाद सड़क सुरक्षा संकेत लगाने और ब्रेकर बनाने का काम शुरू कई हादसों के बाद शिकायत करने पर शुरू हुआ है। यहां पर सड़क सुरक्षा संकेत लगाना आवश्यक था, गति सीमा के संकेत, मुड़ने के संकेत, ब्रेकर बनाना, गति सीमा निर्धारित करना आवश्यक था, अब वाहन चालकों को गति सीमा का पालन करने में मदद मिलेगी । जीटी रोड पर सड़क सुरक्षा अभियान चलाना भी आवश्यक है, जिससे लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके और वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। इन उपायों को लागू करके, जीटी रोड पर सड़क सुरक्षा में सुधार व हादसों की संख्या अब यहां कम हो जाएगी । समाधान होने पर एसडीएम का आभार व्यक्त किया।

**गन्नौर।** दुर्घटना संभावित क्षेत्र जागरूकता का बोर्ड लगाते व गति को कम करने के लिए ब्रेकर बनाने का कार्य करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

**प्रशासन ने उठाया कदम**

एसडीएम प्रवेश कादियान ने बताया कि सड़क सुरक्षा की शिकायत मिलने पर प्रशासन अलर्ट है और तुरंत कार्रवाई करने के लिए कदम उठा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार करना और हादसों को रोकना है। प्रशासन वाहन चालकों के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है, जिसमें उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी जा रही है और उन्हें इन नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा के मुद्दों की रिपोर्ट प्रशासन को कर सकते हैं, जिससे प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई करने में मदद मिल सके। सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर प्रशासन और नागरिकों को मिलकर काम करना चाहिए, इससे हादसों को रोका जा सकता है। प्रशासन वाहन चालकों के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है, जिसमें उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी जा रही है और उन्हें इन नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा के मुद्दों की रिपोर्ट प्रशासन को कर सकते हैं।

**सोनीपत।** साइकिल रैली में हिस्सा लेते खिलाड़ी एव अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

# फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत संडे ऑन साइकिल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत और 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा आज 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत विश्व साइकिल दिवस (3 जून) के उपलक्ष्य में एक विशेष संस्करण के रूप में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में पद्मश्री तीरंदाज दीपिका कुमारी, पद्मश्री कोच पूर्णिमा माहतो, पैरा ओलंपिक में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल, विश्व चैंपियन एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता ओजस देवताले, एशियन गेम्स स्वर्ण पदक विजेता अदिति स्वामी, तथा पैरा ओलंपियन सुंदर गुर्जर और पुष्पेन्द्र शामिल रहे। कार्यक्रम का मार्ग साई मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर बहालगढ़, मुरथल, सेक्टर-7 रोड होते हुए पुनः साई परिसर पर आकर संपन्न हुआ। यह साइकिल यात्रा प्रातः 7:30 से 8:30 बजे तक आयोजित की गई। इसमें फिटनेस, अनुशासन और सामूहिकता का संदेश सुदृढ़ हुआ। इस आयोजन में 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल अनूप रावत, प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मोहित चौहान, एनसीसी अधिकारी मेजर संजय श्योराण एवं पीआई स्टाफ के साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। जिनमें राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोनीपत, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान सोनीपत, हिन्दू बॉयज कॉलेज सोनीपत आदि के कैडेट्स प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर रेनू दहिया, प्रोफेसर सोनी, एसडीओ राकेश दहिया, अभिषेक श्योराण, विकास दहिया, अजय डागर, सर्विल, कशिका, प्रेम गौतम सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी साइकिल यात्रा में भाग लिया।

# विद्यार्थियों को योगासन-प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया

*चरित्र निर्माण एवं योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीसवांमील के प्रांगण में रविवार को चरित्र निर्माण एवं योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रधानाचार्य नरेंद्र खापरा के द्वारा किया गया। इस शिविर में विद्यालय व आसपास के गांव के अनेक शिविरार्थी भाग ले रहे हैं।

आज पहले दिन शिविर में विद्यार्थियों को सर्वांग व्यायाम, योगासन, प्राणायाम, व ध्यान का अभ्यास करवाया । शिविर में प्रशिक्षण का कार्य आचार्य प्रवीण कुमार, दीपाली, साहिल व संजीत द्वारा किया जा रहा है।

**सोनीपत।** योग का अभ्यास करते शिविरार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

# मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर : 132 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ, 20 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सेफ इंडिया फाउंडेशन व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई, महिला व युवा जिला इकाई, श्री श्याम बाला जी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ़ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भंडार, सशक्त महिला संगठन द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मुरथल अड्डा सोनीपत मे आयोजित 27वें मेगा स्वास्थ्य जांच कैंप का 132 मरीजों ने लाभ लिया। सक्सेना हस्पताल की टीम के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवेश मुदगिल, डॉ. आकाश जरनल फिजिशियन, हड्डियों के डॉ. प्रवेश मुदगिल, डॉ. शीतल डाइटीशियन, डॉ. अभिमन्यु कुमार द्वारा 132 मरीजों के शुगर बीपी, ईसीजी व स्वास्थ्य जांच की गई। डॉ. वरुण शर्मा व डॉ. इरफान द्वारा 31 मरीजों के दांतो का चैकअप किया गया। कैम्प इंचार्ज बलराज वशिष्ठ व प्रियांशु वशिष्ठ ने बताया कि डॉ. एसएन गुप्ता व राजेश गुप्ता द्वारा मरीजों को तीन दिन की दवाई मुफ्त में दी गई जो विकास पासवान द्वारा बांटी गई। संस्थाओं द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी सोनीपत व प्रिंसिपल राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल का विशेष आभार जताया गया। अनिपाल लाकड़ा ने सर्वाइकल का ईलाज किया।

**सोनीपत।** रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

**ये रहे मौजूद**

कैंप में सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला, चेयरमैन वाईके त्यागी, सम्मेलन के प्रधान अनिल गुप्ता, महासचिव एडवोकेट अरविन्द मित्तल, महिला प्रधान बबीता जिंदल, शालू त्यागी, हरि कौशिक, नरेश कंसल, अजय, आशीष, इच्छा, आरती, निधि, नेहा नर्सिंग स्टाफ, कुंती गोयल, प्रवीण नैन, शिम्पी रेलन, अंजू दहिया, विवेक गर्ग, मनीष बंसल, दिनेश कुछल, सुशील अमित मित्तल, देवेंद्र कुछल, दीपांशु जैन,प्रमोद जैन, अमित कुछल, श्रीपाल खत्री, श्रीभगवान सिंगला, राजेंद्र, सचिन, सत्यवान आदि ने सेवा की।

# अभिभावकों व शिक्षकों के बीच संवाद से ही शिक्षा में सुधार संभव : मोनिका फौगाट

- पैरामाउंट स्कूल ऑफ साइंस में अभिभावक-शिक्षक बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

पैरामाउंट स्कूल ऑफ साइंस में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार और समग्र विकास पर चर्चा करना था। शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र की उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं अभिभावकों ने शिक्षकों से संवाद कर बच्चों की पढ़ाई और स्कूल की शिक्षण पद्धति पर संतोष जताया। स्कूल प्रशासन द्वारा विभिन्न कक्षाओं के छात्रों के प्रदर्शन की रिपोर्ट कार्ड भी वितरित किए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका फोगाट ने कहा, इस तरह की बैठकें छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद से बच्चों की शिक्षा में सकारात्मक सुधार आता है। बैठक के अंत में स्कूल द्वारा आगामी शैक्षणिक गतिविधियों और परीक्षाओं की जानकारी भी दी गई। अभिभावकों ने स्कूल के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की अपेक्षा जताई।

**खरखौदा।** अभिभावकों से चर्चा करते प्राचार्या। *फोटो :हरिभूमि*

# विभिन्न किस्मों के 16 पौधे रोपे

- गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के किया साप्ताहिक अभियान के तहत पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन ने रविवार को शहर में भगवान परशुराम चौक के साथ ग्रीन पट्टी पर विभिन्न किस्मों के 26 पौधे रोपे। संगठन द्वारा पौधारोपण अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत किया गया। संगठन द्वारा ग्रीन पट्टी पर पापड़ी, नीम, अर्जुन, पिलखन और पीपल के 26 पौधे रोपे। संगठन के सदस्यों ने नए पौधे रोपने के साथ अपने द्वारा रोपे गए पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई करके पानी डाला गया। संगठन द्वारा इस मानसून सत्र में गोहाना में अधिक से अधिक पौधे रोपने की तैयारी कर ली गई है। संगठन द्वारा ड्रेन के किनारे अधिक से अधिक संख्या में पौधे रोपे जा रहे हैं ताकि बरसात में मिट्टी का कटाव न हो। पौधारोपण में संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा, अनिल, सिद्धार्थ, मुकेश, बलजीत जांगड़ा, जगदीश, अमन, डॉ. बिजेंद्र, हरीश पांचाल व सुनील ने पौधारोपण में सहयोग किया।

**गोहाना।** ग्रीन पट्टी पर पौधारोपण करते संगठन के सदस्य। **फोटो : हरिभूमि**

# हवन के साथ सामूहिक सत्संग प्रारंभ

- बिमला आर्या एवं सुनीता अरोड़ा ने अपने मधुर कण्ठ से ईश्वर और ऋषि भक्ति के भजन प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आर्य समाज 'शहर' बड़ा बाज़ार के साप्ताहिक सत्संग में आर्य केन्द्रीय सभा के पदाधिकारियों और सदस्यगणों ने भाग लिया। आर्य केन्द्रीय सभा की नव निर्वाचित प्रधान आचार्या दीक्षा के ब्रह्मत्व में आज के इस सामूहिक सत्संग का आरंभ यज्ञ के साथ हुआ। मुख्य यज्ञमानों के रूप में केन्द्रीय सभा के प्रमुख मार्गदर्शक/परामर्शदाता मुकेश रावत सपत्नीक, लेखा परीक्षक अशोक आर्य सपत्नीक के अतिरिक्त यज्ञ में पदाधिकारीगण, स्थानीय आर्य समाज के कार्यकारिणी सदस्यों/महिला सभासदों ने भी यम में अपनी आहुति प्रदान की। आज के सामूहिक सत्संग में जय, बिमला आर्या एवं सुनीता अरोड़ा ने अपने मधुर कण्ठ से ईश्वर और ऋषि भक्ति के भजन प्रस्तुत किए। डा. वेद पाल आर्य ने ऋषिकृत लघु पुस्तिका/ग्रंथ व्यवहार भानु के पाठ के अन्तर्गत पण्डित शब्द की सही परिभाषा और अर्थ को सरल भाषा में समझाने का प्रयास किया। इस अवसर पर काफ़ी अधिक संख्या में धर्म प्रेमी, जिज्ञासु महानुभावों, महिला श्रोतागण, बच्चों ने सत्संग का लाभ लिया। आर्य समाज 'शहर' बड़ा बाज़ार के प्रधान वेद प्रकाश आर्य जी ने सभी उपस्थित महानुभावों, महिला श्रोतागण का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

**कार्यक्रम** | कल्पना चावला विद्यापीठ में सात दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर का शुभारंभ्ज्ञ

शिविर में कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थी बढ़-चढ़कर ले रहे भाग

# विद्यार्थियों ने अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खांडा रोड स्थित कल्पना चावला विद्यापीठ में ग्रीष्मकालीन शिविर रविवार को शुरू हुआ। शिविर में पहुंचने पर प्राचार्या और शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और उनकी भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। इस शिविर में कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। इस शिविर में विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें कला और शिल्प, गायन और नृत्य, अंग्रेजी बोलना, विभिन्न प्रकार के खेल जैसे खो-खो, कबड्डी और बॉक्सिंग, दौड़, लंबी एवं ऊंची कूद शामिल रहे। इसके अलावा, योग की कक्षाएं भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त किया। शिविर का प्रथम दिन बड़े हर्ष और उल्लास के साथ व्यतीत हुआ। आयोजित किए गए शिविर में अध्यापिका मोनिका, शीतल, रुबीना, मनीक्षा, ज्योति, पूनम, अंकिता, मधु व अध्यापक रवि और तरुण ने विद्यार्थियों के साथ बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्राचार्या उषा वत्स ने शिविर का उद्देश्य बताया कि विद्यार्थियों को गर्मियों की छुट्टियों में एक सुरक्षित और रचनात्मक वातावरण प्रदान करना है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं तथा विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करना है और उन्हें समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है।

**खरखौदा।** शिविर के उद्घाटन समारोह में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

## खबर संक्षेप

### शिविर में 316 व्यक्तियों के स्वास्थ्य की हुई जांच

**खरखौदा।** राम चौक स्थित स्वतंत्र मिडिल स्कूल में रविवार को नेत्र, दंत और ईएनटी जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसमें खुराना आईज सेंटर और वी केयर सेंटर रोहतक की टीम पहुंची। मुख्य अतिथि विधायक पवन खरखौदा की धर्मपत्नी मीनाक्षी भौरिया ने रिबन काटकर शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की टीम समाज में अच्छा कार्य कर रही है। इस तरह के कैंप से लोगों को घर के पास ही इलाज मिल रहा है। उन्होंने डॉक्टरों का आह्वान किया कि ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे शिविर लगाए जाने चाहिए, ताकि अधिकाधिक लोगों को लाभ मिल सके। डॉ. एसपी खुराना ने बताया कि वह पिछले 10 साल से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कैंप लगाकर सेवा कर रहे हैं। रविवार को लगाए गए कैंप में 242 नेत्र रोगियों की जांच हुई। जिनमें 20 मरीज ऐसे मिले, जिन्हें मोतियाबिंद है। उनका आयुष्मान कार्ड के तहत फ्री इलाज किया जाएगा। गला और कान से संबंधित 42 मरीज पहुंचे। दांतों की जांच के लिए 32 मरीज आए। कुल 316 मरीजों की जांच की गई।

### टक्कर मारने का विरोध करने पर मारपीट की

**सोनीपत।** सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र के बहालगढ़ रोड स्थित खान कॉलोनी में युवक को बाइक से टक्कर मारने का विरोध करना मंहगा पड़ गया। पुलिस ने एक आरोपित को नामजद करते हुए दो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। बहालगढ़ रोड खान कॉलोनी निवासी अर्जुन ने बताया कि वह देर शाम सात बजे किसी काम के लिए फोटो स्टेट की दुकान पर जा रहा था। गली जाते समय सामने से कार आ गई। उसने अपनी बाइक को साइड में लगा दिया। कार सवारों ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद वह घर चले गए। इसी दौरान कार सवार फारूक और एक अन्य युवक उनके घर पहुंच गए।

# नागरिक अस्पताल में स्पाइन डीकंप्रेशन मशीन फिजियोथेरेपी ओपीडी में स्थापित

## मशीन आने से आसपास के मरीजों को मिलेगा फायदा, बढ़ रही मरीजों की संख्या

गर्दन व कमर का दर्द किसी भी व्यक्ति को हो सकता है चाहे वह किसी भी उम्र का हो।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में परिसर में अब गर्दन व रीढ़ की हड्डी के लिए भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) हुआ करेगी। फिजियोथेरेपी ओपीडी में पहली बार स्पाइनल डीकंप्रेशन सिस्टम मशीन पहुंची है। अस्पताल में इस मशीन को स्थापित किया जा रहा है। हाल के दिनों में अस्पताल में गर्दन-कमर दर्द के मरीजों की संख्या दिनों-दिन बढ़ रही है। मशीन से फिजियोथेरेपी शुरू होने के बाद सैकड़ों मरीजों को काफी फायदा होगा।

जिला नागरिक अस्पताल में मौजूदा समय में दो हजार से के करीब मरीजों की ओपीडी है। वहीं फिजियोथेरेपी ओपीडी में हर रोज 150 के करीब है। वर्तमान में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसे गर्दन व कमर दर्द की परेशानी नहीं है। गर्दन व कमर का दर्द किसी भी व्यक्ति को हो सकता है चाहे वह किसी भी उम्र का हो। आज लगभग हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल है।

**सोनीपत।** ओपीडी में मशीन को स्थापित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ऐसे दर्द के लिए दर्द निवारक गोली लेने के बजाय मरीज कुछ वर्ष से फिजियोथेरेपी को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। फिजियोथेरेपी में दवाइयां कम और शारीरिक व्यायाम पर ज्यादा जोर दिया जाता है, इसलिए मरीजों का रुझान भी इस ओर बढ़ रहा है।

**मशीन में दर्ज होगा मरीज का रिकॉर्ड:** अस्पताल में स्थापित मशीन को ई-उपचार सॉफ्टवेयर के तरह मशीन से सॉफ्टवेयर भी जोड़ा गया है। कंप्यूटराइज्ड सॉफ्टवेयर में पहले मरीज का रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा। चिकित्सकों ने दावा किया कि इस मशीन से गर्दन व रीढ़ की हड्डी के रोगियों की फिजियोथेरेपी के बाद काफी राहत मिल सकेगी।

**रीढ़ की हड्डी के रोगों में होगा इलाज:** स्पाइनल डीकंप्रेशन सिस्टम मशीन आधुनिक चिकित्सीय उपकरण है जिसका उपयोग रीढ़ की हड्डी से संबंधित समस्याओं के इलाज में किया जाता है, विशेष रूप से हर्नियेटेड या बल्जिंग डिस्क, डीजनरेटिव डिस्क डिज़ीज़, स्लिप डिस्क, साइएटिका, स्पाइनल स्टेनोसिस, क्रॉनिक कमर या गर्दन दर्द में इस मशीन से मरीजों को काफी फायदा पहुंचेगा।

> **मरीजों को एक ही छत के नीचे मिलेंगी सभी सुविधाएं**
>
> अस्पताल में एक छत के नीचे मरीजों को सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रबंधन प्रयासरत है। फिजियोथेरेपी ओपीडी में स्पाइनल डीकंप्रेशन सिस्टम मशीन को स्थापित किया जा रहा है। जिससे गर्दन व रीढ़ की हड्डी के लिए फिजियोथेरेपी की जाएगी। इससे मरीजों को काफी फायदा मिल सकेगा।
>
> -डा. संदीप लठवाल, नोडल अधिकारी जिला नागरिक अस्पताल।

### मशीन प्रमुख फायदे

**दबाव कम करता है :** यह मशीन रीढ़ की हड्डी पर पड़े दबाव को धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से कम करती है। इससे डिस्क्स के बीच स्पेस बढ़ता है, जिससे नसों पर दबाव कम होता है और दर्द में राहत मिलती है।

**डिस्क हाइड्रेशन बढ़ाता है :** जब डिस्क्स पर दबाव कम होता है तो उनके अंदर पोषक तत्वों और ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे डैमेज टिशूज की मरम्मत में सहायता मिलती है।

**नॉन-सर्जिकल विकल्प :** यह एक बिना सर्जरी वाला इलाज है, जिससे मरीज को चीरफाड़ या लंबी रिकवरी की जरूरत नहीं होती।

**मांसपेशियों में खिंचाव नहीं होता :** परंपरागत ट्रैक्शन की तुलना में यह मशीन नियंत्रित और आरामदायक तरीके से खिंचाव देती है, जिससे मांसपेशियों में जकड़न या ऐंठन नहीं होती।

**अनुकूल और आरामदायक :** मशीन में मरीज आरामदायक स्थिति में लेटा रहता है और कंप्यूटर कंट्रोल्ड सिस्टम धीरे-धीरे रीढ़ को खींचता है।

**नर्व इम्पिंगमेंट में राहत :** नस पर पड़े दबाव को कम करके यह साइएटिका, पिन्च्ड नर्व जैसी समस्याओं में राहत दिला सकती है।

## लायंस क्लब गन्नौर गौरव की प्रधान बनी भावना जगया, सचिव विक्रांत हांडा का किया स्वागत

**गन्नौर।** लायंस क्लब गन्नौर गौरव की प्रधान बनी भावना जगया , सचिव विक्रांत हांडा, मीनू हांडा का स्वागत करते हुए।

**गन्नौर।** लायंस क्लब गन्नौर गौरव की बैठक जीटी रोड स्थित एक रेस्टोरेंट मे क्लब के पदाधिकारी अंकित मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से क्लब की वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

सर्वसम्मति से घोषित कार्यकारणी में लायंस क्लब गौरव की प्रधान भावना जगया को, सचिव विक्रांत हांडा, कोषाध्यक्ष शशा वेदी, परियोजना अध्यक्ष तरुण चुग, उप प्रधान मीनू हांडा को बनाया गया। क्लब की नवनियुक्त अध्यक्ष भावना जगया ने आगामी वर्ष के सेवा प्रकल्पों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। क्लब की प्रधान भावना जगया ने बताया कि क्लब द्वारा रक्तदान शिविर, आई चेकअप कैंप, सर्दियों में जूते, जर्सी, कंबल वितरण, सिलाई मशीन वितरण, पौधारोपण, वृद्धाश्रम सेवा, स्वास्थ्य जांच शिविर, अन्य समाजसेवी कार्य किए जाएंगे। नवनियुक्त क्लब प्रधान भावना जगया ने विश्वास दिलाया कि लायंस क्लब गन्नौर गौरव जरूरतमंदों की सहायता हेतु हरसंभव प्रयास करेगा और सेवा के कार्यों में निष्ठा से जुटा रहेगा। इस मौके पर क्लब के मुख्य संरक्षक हरीश वाधवा , शालू वाधवा, नीरज जगया, चारु चांदना, डिंपी मल्होत्रा, गीता चुग, अंकुर वेदी, जतिन वेदी , मीनू हांडा सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित रहे।

## रुक्मिणी देवी स्कूल के बच्चों ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता रैली निकाली

**राई।** प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन गुप्ता विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष पर जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

**राई।** रुक्मिणी देवी पब्लिक स्कूल में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता के लिए दसवीं, ग्यारहवीं व बारहवीं के छात्रों ने रैली निकाली। जिसमें उन्होंने युवाओं और समाज को तम्बाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक किया। छात्रों ने तम्बाकू छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो आदि नारों के द्वारा जन-जन को तम्बाकू निषेध के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ प्रवीन गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन की दिशा में पहला कदम तम्बाकू जैसी जानलेवा आदतों से दूरी बनाना है। विद्यालय के प्राचार्य ने सभी को तम्बाकू मुक्त समाज की दिशा में योगदान देने की शपथ दिलवाई और छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

## शिविर में 260 लोगों की आंखें जांची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

जीटी रोड स्थित ऋषि चैतन्य आश्रम में रविवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में एम्स नई दिल्ली और मंथन आई केयर फाउंडेशन का सहयोग रहा। गुरुदेव आनंदमूर्ति गुरुमां के सानिध्य में हुए लगे इस शिविर का उद्घाटन विधायक देवेंद्र कादियान ने किया। इससे पहले उन्होंने आनंदमूर्ति गुरुमां से भेंट कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। शिविर में 260 लोगों ने पंजीकरण कराया।

**गन्नौर।** ऋषि चैतन्य आश्रम में आनंदमूर्ति गुरुमां से भेंट करते विधायक देवेंद्र कादियान।

एम्स के विशेषज्ञ डाक्टरों ने आंखों की जांच की। नजदीक की नजर कमजोर मिलने पर 68 लोगों को मुफ्त चश्मे दिए गए। दूर दृष्टि के लिए 65 लोगों के चश्मे बुक किए गए। ये चश्मे 15 जून को वितरित किए जाएंगे। इनका पूरा खर्च ऋषि चैतन्य आश्रम उठाएगा। विधायक देवेंद्र कादियान ने भी अपनी आंखों की जांच कराई। विधायक ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच और इलाज उपलब्ध कराना है।

इस मौके पर मंथन आई फाउंडेशन के निदेशक बोधराज, प्रो. प्रवीन वशिष्ठ, डॉ. सुमित ग्रोवर, अंकित मल्होत्रा, तरुण चुघ और आकाश त्यागी मौजूद रहे।

## अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियार सहित तीन गिरफ्तार

**सोनीपत।** सेक्टर-27 शहर थाना क्राइम यूनिट, व वेस्ट यूनिट ने अलग-अलग स्थानों से तीन युवकों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित राहुल निवासी मोहम्मदाबाद खरखौदा,अरमान उर्फ मल्हा निवासी सेरसा, सुमित निवासी निजामपुर का है। सिपाही अनिल की टीम ने गश्त के दौरान कवाली मोड़ से युवक को संदिग्ध हालत में घूमते हुए पाया गया। आरोपित के पास से तलाशी के दौरान पिस्तौल व जिंदा राउंड बरामद हुआ। आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे जमानत मिल गई। वहीं उप निरीक्षक संदीप कुमार की टीम ने 31 मई को को खरखौदा बाईपास के पास मौजूद थी। उसी दौरान झज्जर सर्विस रोड दा हिल्स वाटर पार्क के सामने से संदिग्ध हालत में काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध देशी पिस्तौल व तीन जिंदा राउंड बरामद हुए।

## लोकमाता अहिल्याबाई को किया याद

**गोहाना।** अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए संस्कार भारती के सदस्य।

**गोहाना।** कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की गोहाना इकाई द्वारा गोहाना के उतम नगर की संत नामदेव धमर्शाला में महान वीरांगना लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया।

समारोह की संयुक्त अध्यक्षता रोहिल्ला क्षत्रिय सभा के सचिव महेंद्र पाल रोहिल्ला और संस्कार भारती गोहाना इकाई के अध्यक्ष संतलाल रोहिल्ला ने की। मंच संचालन संस्कार भारती गोहाना इकाई की सदस्य ज्योति गोयल ने किया। इकाई के सहित्य कला विभाग प्रमुख राजीव पारासर ने देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन के अनछुए पहलुओं और उनके द्वारा समाज के लिए किए गए अनुकरणीय कार्यो के बारे में अवगत कराया। कॉलोनी की ही एक छोटी बालिका मुस्कान ने भी देवी अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डाला। समारोह में रामकिशन रोहिल्ला, चंद्रभान रोहिल्ला, राज गोयल, देवेन्द्र रोहिल्ला, रेखा रोहिल्ला, राजीव सेन आदि मौजूद रहे।

## सुख एवं समृद्धि के लिए किया हवन

■ दादा खेड़ा स्थल पर गांव खन्दराई में ग्रामीणों ने डाली हवन में आहुति, भंडारे में चखा प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

ग्राम पंचायत खन्दराई द्वारा गांव में सुख एवं समृद्धि के लिए दादा खेड़ा स्थल पर हवन किया गया। ग्रामीणों ने हवन में मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां डालकर गांव में मजबूत भाईचारे की कामना की।हवन के बाद ग्रामीणों द्वारा गांव स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में भंडारा लगाया गया। भंडारे में ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया और आगंतुकों में प्रसाद वितरण किया गया।

समारोह में गांव के सरपंच जयसिंह ठेकेदार के सहायक अमित सहरावत, सेवानिवृत्त अनुदेशक महेंद्र सिंह सहरावत, राज सिंह नम्बरदार, भूतपूर्व सरपंच भगत सिंह सहरावत, ग्राम सुधार समिति खन्दराई के अध्यक्ष जगमहेद्र सिंह, बिजेंद्र सिंह, सुमेर, पाले राम सहरावत, रोहतास कश्यप, भीम सिंह, सतपाल, राजबीर सिंह, सुरेश नम्बरदार, भोजा कश्यप, रामेश्वर प्रजापति, रविन्द्र सनसनवाल, पंडित नान्हा आदि मौजूद रहे।

## शिविर में 4 महिलाओं समेत 32 लोगों ने रक्तदान का पुण्य कमाया, भंडारा लगाया

**गोहाना।** माता चौगान वाली सेवा समिति द्वारा रविवार को पानीपत रोड पर गोशाला के समीप रक्तदान शिविर व वार्षिक भंडारा लगाया गया। शिविर में 4 महिलाओं समेत 32 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास ने लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया और इसका महत्व समझाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गांव गढ़ी उजाले खां के सरपंच रविंद्र लडवाल और विशिष्ट अतिथि निंद्र सैनी थे। अध्यक्षता राकेश लठवाल ने की। उन्होंने शिविर में अपनी पत्नी बिमला, पुत्र अजय और पुत्री पूजा के साथ रक्तदान किया। शिविर में शिवचरण, रानी, रवि मेहरा, नीरज मेहरा, सुमन, विकास शर्मा, प्रवीन, कुलदीप, मनीत हुड्डा, विकास सैनी, विक्की सैनी, मोहित, राकेश, मनीष, रवि, राहुल कश्यप और सुशील प्रजापति ने रक्तदान किया।

## प्रताप स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते छह पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

■ जूनियर वर्ग में सुमित (55 किग्रा), मयंक और राहुल ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया

दिल्ली स्टेट ओलंपिक के तहत पेंचक सिलात स्पर्धा में प्रताप स्कूल, खरखौदा के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य कुल मिलाकर छह पदक जीते। जूनियर वर्ग में सुमित (55 किग्रा), मयंक और राहुल ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं नमन ने रजत और निखिल ने कांस्य पदक हासिल किए। सीनियर वर्ग में हर्ष फौगाट ने रजत पदक अपने नाम किया।

### विजेताओं का किया स्वागत

विद्यालय परिसर में खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित ओमप्रकाश दहिया, स्कूल के संस्थापक सत्य प्रकाश दहिया, प्रिंसिपल दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, अशोक कुमार भारतीय खेल प्राधिकरण, और कोच जगमेंद्र पांचाल ने पदक विजेताओं को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। विजेता खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, विद्यालय प्रबंधन समिति और माता-पिता को दिया। खेल निदेशक ओमप्रकाश दहिया व एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने बताया कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में 1 जून से 10 जून तक निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कोई भी खिलाड़ी भाग ले सकता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2000/-<br>रु. 2500/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

### 43वीं बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज

# 400 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

**सोनीपत।** मुख्यातिथि राजीव जैन का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- चैंपियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर राजीव जैन द्वारा किया गया
- यह चैंपियनशिप 1 जून से 6 जून तक खेली जाएगी। जिसमें लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे
- चैंपियनशिप में अंडर 11, 13, 15, 17, 19 व वेटरन्स 30 से 65 आयुवर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लिटल एंजल्स स्कूल में 43वां ओपन जिला स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का शुभारम्भ हुआ। इस चैंपियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर राजीव जैन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल, एडमिन ऑफिसर विवेक आर्य, इवेंट मैनेजर राकेश वर्मा, सैक्रेटरी डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन, जगबीर सिंह छिक्कारा व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनको सम्मानित किया।

यह चैंपियनशिप 1 जून से 6 जून तक खेली जाएगी। जिसमें लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस चैंपियनशिप में अंडर 11, 13, 15, 17, 19 व वेटरन्स 30 से 65 आयुवर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मुख्य अतिथि राजीव जैन ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी व उन्होंने कहा कि खेलों द्वारा ही बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शानदार खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया व विद्यालय द्वारा किये गये प्रबंधों की प्रशंसा की। विद्यालय के एडमिन ऑफिसर विवेक आर्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न देकर उनका आभार प्रकट किया।

## हैप्पी क्लासरूम और आर्ट इंटीग्रेशन की युक्तियां जानी

**गोहाना।** शिक्षा भारती विद्यालय रामनगर रोहतक में 30 व 31 मई को दो दिवसीय संकुल स्तरीय इनहाउस ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। मार्गदर्शन संकुल प्रमुख अश्वनी कुमार का रहा। कार्यशाला में हैपी क्लासरूम और आर्ट इंटीग्रेशन विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संकुल से 15 विद्यालयों के 135 प्रशिक्षार्थियों की एनईपी-2020, पंचपदी अधिगम, आनंदम अधिगम और छात्र केंद्रित अधिगम विषयों पर सक्रिय भागीदारी करवाई गई। मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को बालकेन्द्रित शिक्षा, समग्र एवं आनंदमय शिक्षण, आर्ट इंटीग्रेशन, हैपी क्लासरूम के अवयवों व सिद्धांतों से परिचित कराना रहा। प्रथम सत्र में देशराज शर्मा कहा कि हम ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करें जहां बच्चे भयमुक्त होकर विचार साझा करते हुए सीखें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। द्वितीय सत्र में सरिता शर्मा और तीसरे सत्र में सीमा ने पंचपदी शिक्षण एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में अवगत करवाया।

## परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

**खरखौदा।** 10 वीं व 12 वीं कक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गांव बरोणा में सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने हवन करके सभी होनहार बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान दि रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के राज्य महासचिव सन्नी दहिया ने गांव के 10 वीं व 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों क्रमशः नताशा (92.4%) व प्रिंस (96.6%) को 5100- 5100 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली चेतना व अक्षिता को 2100-2100 रुपए व 85% से ज्यादा अंक लेने वाले विद्यार्थियों ईशा, आशिमा, नेहा, कीर्ति, रितिका, सागर, हर्ष, वन्तिका को 1100- 1100 रुपए से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनहित परिषद के चेयरमैन भरत कुमार ने सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को मेहनत कर अपना और गांव का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में ग्रामवासी, पूर्व सरपंच सतनारायण, डॉ टेकचंद, दीपक पटवारी, हवासिंह, रामनारायण, मूलचंद, रामभगत, जगत सिंह आदि मौजूद रहे।